अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2022) दिनांक : 17.12.2022

समय सीमा : 3 घंटा चतुर्थ वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

आचार्य कालूगणी–35

प्र. 1 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 5

(क) मुनि भागचन्द जी द्वारा लिखी जा रही ज्ञाता सूत्र की अधूरी प्रति को कालूगणी के आदेश से किसने व कब पूर्ण किया?

(ख) संस्कृत अध्ययन का मार्ग अवरूद्ध देख मुनि कालू ने अपने अध्ययन का आधार किसे बनाया?

(ग) बालक कालू की विराग भावना को पुष्ट करने के लिए मघवागणी ने किसको पत्र लिखा?

(घ) भिक्षु शब्दानुशासन के प्रक्रिया ग्रन्थ का क्या नाम था? तथा उसका निर्माण किसने किया?

(ङ) पंडित रघुनन्दन जी का परिचय कालूगणी से किसने करवाया?

(च) कालूगणी के निर्देशानुसार श्रावक विरधोजी जीरावला ने पंचपदरा में कौन सा कार्य किया?

(छ) जयाचार्य द्वारा रचित प्रश्नोत्तर तत्त्वबोध का संपादन और प्रकाशन किसने किया?

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 10

(क) कालूगणी ने बाल साधुओं को कौन सी छः बातें बतायी, जिससे मनुष्य तुच्छ बन जाता है?

(ख) कालूगणी ने मुनि तेजमाल जी के लिए जो स्वप्न देखा, कालान्तर में वह सत्य में परिणत कैसे हुआ?

(ग) बीकानेर में तेरापंथ के विरोध में कौन-कौन सी पुस्तकें निकली व उसका प्रकाशन किसने किया?

(घ) 'समो देख नहीं बरतै बो बाणियो गवार' कालूगणी ने यह कथन किससे और किस संदर्भ में कहे?

(ङ) तेरापंथ के घोर विरोधी यतिजी को क्यों और क्या सजा हुई?

(च) कालूगणी ने लाभूराम के पौत्र संपतमलजी के 'टाइफाइड' का क्या इलाज बताया?

प्र. 3 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) कालूगणी की मालव-यात्रा पर टिप्पणी लिखें।

(ख) कालूगणी का शरीर साधारणतया निरोग था। फिर भी रोगों के आघात भी उन्हें कभी-कभी सहने पड़े। विभिन्न उद्धरणों को संक्षेप में स्पष्ट करें।

(ग) सिद्ध करें कि कालूगणी भक्त-वत्सल आचार्य थे।

प्र. 4 दृष्टांतों द्वारा सिद्ध करें कि बाल साधुओं के जीवन निर्माण में कालूगणी सदा जागरूक रहते थे। 14

अथवा

विभिन्न प्रसंगों से स्पष्ट करें कि अल्प संसाधनों में भी कालूगणी के युग में संस्कृत विद्या वटवृक्ष के रूप में पल्लवित व पुष्पित हो गयी।

युगप्रधान आचार्य तुलसी–35

प्र. 5 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 9

(क) अपने धर्मसंघ को शिक्षा के क्षैत्र में गतिशील बनाने के लिए आचार्य तुलसी ने कौन सी योजना बनाई?

(ख) किसने कहा–हिन्दुस्तान में वही व्यक्ति सफल हो सकता है, जो घुमक्कड़ हो।

(ग) दक्षिण भारत की यात्रा में आचार्य तुलसी ने किस विरोध को शान्त करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई?

(घ) भारत में सामाजिक परिवर्तन की नींव किस-किसको माना गया है?

(ङ) आचार्य तुलसी ने कहां और किस सम्मेलन में पांच लाख लोगों को खड़े होकर सम्बोधित किया?

(च) पहले इन्सान इन्सान : फिर हिन्दु या मुसलमान। यह उद्घोष कब व कहां दिया गया?

(छ) आचार्य तुलसी ने किन-किन विषयों पर गीत लिखे।

(ज) मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मन के तीन रूप कौन-कौन से हैं? तथा सामान्य व्यक्ति किस मन से अभिप्रेरित होकर कर्म करता है?

(झ) आचार्य श्री के सान्निध्य में आगम संपादन का जो महान कार्य हुआ है, उसके आधार पर जैन विश्व भारती को युनिवर्सिटी का दर्जा दिया जा सकता है। यह कथन किसने और कहां कहे?

(ञ) 'समण संस्कृति संकाय' क्या कार्य करता है?

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) षष्टिपूर्ति समारोह में आचार्य तुलसी का सम्मान कब, कहां व किसके द्वारा किस रूप में हुआ?

(ख) प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने कहा–'संसदीय गतिरोध को दूर करने में आपके संदेश का अच्छा प्रभाव रहा।' तब आचार्य तुलसी ने क्या कहा?

(ग) मैं मानवीय एकता में विश्वास करूंगा। इस धारा की दो उपधाराएं कौन सी है?

प्र. 7 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) 'राजीव–लोंगोवाल' समझौते पर टिप्पणी लिखें।

(ख) 'जो हमारा हो विरोध हम उसे समझे विनोद।' उद्घोष पर टिप्पणी लिखें।

(ग) धर्मक्रान्ति के पांच सूत्र लिखें।

प्र. 8 आचार्य तुलसी का शासनकाल तेरापंथ के विकास का स्वर्णिम काल था। स्पष्ट करें। 15

अथवा

सिद्ध करें कि आचार्य तुलसी के पास सृजन और ज्ञान की वह कला थी जिससे उन्होंने शब्दों को ही नहीं उकेरा, शन्दशिल्पियों का भी निर्माण किया।

तुलसी-प्रबोध–21

प्र. 9 किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें– 12

(क) कुछ बरसां.....सचकार हो।।

(ख) बुद्धीजीवी.....गुंजार हो।।

(ग) लोग विरोधी.....प्रसार हो।।

(घ) पाव सदी.....उपहार हो।।

प्र. 10 किन्हीं तीन पद्यों को लिखें– 9

(क) जोघाणै.....मनुहार हो।।

(ख) दुनिया भर.....लगार हो।।

(ग) समय आखरी.....सुकुमार हो।।

(घ) भाईजी महाराज.....नेतार हो।।

(ङ) विक्रम संवत.....अवधार हो।।

तेरापंथ प्रबोध–9

प्र. 10 किन्हीं तीन पद्यों को लिखें– 9

(क) 'निहारा तुमको कितनी बार'। गीत वाला पद्य।।

(ख) 'बादलियो आखड्ल्यां बरस्यो'। गीत वाला पद्य।।

(ग) 'प्रगट्यो एक नयो उद्योत'। गीत वाला पद्य।।

(घ) 'आतापना-संबल'। वाला पद्य।।

(ङ) 'कर कंगण आंख्यां'। वाला पद्य।।